

Your Imagination, we Print...


JAYgraphics & printers

COMMERCIAL PRINTERS
 C-15 VIKRAM CHAMBERS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

पाटनगर उदय

GANDHINAGAR

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 286 • दिनांक : 22-07-2026, WEDNESDAY • पेज : 04 • मूल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेल: patnagaruday@gmail.com

हरियाणा में बॉर्डर सील; कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर 4 किमी लंबा जाम

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित :दो मांगों पर सहमति बनी

»अंबाला/कुरुक्षेत्र/सोनीपत

अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार का प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान लौट गए, जिससे दोनों बॉर्डरों पर ट्रैफिक भी सामान्य हो गया।

कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता

गुरनाम सिंह चट्टनी समेत हिरासत में

लिए गए नेताओं को रिहा कर दिया।

भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि

रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने

पर सहमति बनने के बाद आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि, CJP के संसद घेराव के मद्देनजर हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी रही। कई जिलों में किसान नेताओं और CJP समर्थकों को नजरबंद या हिरासत में लिया गया। अंबाला के शंभू बॉर्डर पर 27 जुलाई तक धारा 163 लागू है, जबकि कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर सुबह लंबा जाम लगा और जांच के बाद ही दिल्ली में प्रवेश दिया गया।

उधर, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सोनम वांगचुक को सफ़दरजंग अस्पताल से गुरग्राम के मेदांता अस्पताल शिफ्ट किया गया है।

अस्पताल के बाहर पुलिसफोर्स तैनात की गई है। कुरुक्षेत्र में प्राइवेट बस से दिल्ली जा रहे किसानों को पुलिस ने ज्योतिसर चौकी के पास लगे नाके पर रोक लिया। बस में करीब 30 किसान थे, जिनको पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें भारतीय किसान यूनियन पिहोवा के प्रवक्ता प्रिंस वड़ेच भी शामिल है। हिसार एरिया में दिल्ली पुलिस ने बहादुरगढ़-द्वारका बाईपास पर बैरिकेड लगा दिए हैं। महेंद्रगढ़ के कनीना मंडी सरकारी स्कूल की छात्राओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। इसका वीडियो सामने आने के बाद DC ने जिला शिक्षा अधिकारी से



रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रिंसपल नरेश कुमार को सस्पेंड कर दिया। अंबाला में शंभू बॉर्डर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से किसान नेताओं की मीटिंग हुई। जिसके बाद किसान

नेता सरणज पंधेर ने कहा कि कृषि मंत्री राणा की तरफ से कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए किसान नेताओं को जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। कृषि मंत्री शिवराज चौहान से अगले 8-10

दिन में किसानों बातचीत की प्रक्रिया शुरू करवाई जाएगी। सोनम वांगचुक को गुरग्राम के मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किए जाने के मद्देनजर अस्पताल में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। भारतीय किसान यूनियन चट्टनी के प्रवक्ता राकेश बैस ने बताया- 'भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देश बचाओ मोर्चा के आह्वान पर दिल्ली के किसान घाट में प्रस्तावित महापंचायत और जनसभा से पहले हिरासत में लिए गए किसान नेताओं को मंगलवार को रिहा कर दिया गया। राकेश बैस ने कहा कि देश बचाओ मोर्चा ने किसानों के हितों के खिलाफ बताई जा रही प्रस्तावित ट्रेड डील

के विरोध में किसान घाट पर बड़ी जनसभा बुलाई थी। उनका आरोप है कि सरकार ने इस कार्यक्रम को रोकने के लिए एक दिन पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चट्टनी, उन्हें और संगठन के कई अन्य पदाधिकारियों को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आवाज दबाने के लिए दमनकारी नीति अपना रही है, लेकिन किसान इससे पीछे हटने वाले नहीं हैं। यदि देश और किसानों के हितों के खिलाफ कोई नीति बनाई गई तो किसान और आम जनता उसका मजबूती से विरोध करेगी। राकेश बैस ने बताया

कि हिरासत में लिए गए सभी किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया है। कृषि मंत्री की ओर से आश्वासन दिया गया है कि किसानों की मांग केंद्र सरकार तक पहुंचाई जाएगी और जल्द ही इस मुद्दे पर बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चट्टनी को भी रिहा कर दिया गया है। बैस ने बताया कि पूरे आंदोलन की अगुवाई देश बचाओ मोर्चा कर रहा है। मोर्चे की कोर कमेट्री में गुरनाम सिंह चट्टनी, स्वर्ण सिंह पंधेर समेत करीब 200 किसान और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत

17 अब भी फंसे; मलबे से सुरंग बंद, रेस्क्यू करने गए कुछ वर्कर बेहोश



»गंगटोक

सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंसे गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्ला ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मिथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई

बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ। जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3:40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली। इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है।

एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। यह टनल तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के लिए पटेल इंजीनियरिंग कंपनी बना रही थी। मिथेन जहरीली गैस नहीं होती, लेकिन बंद सुरंग में यह ऑक्सीजन की मात्रा कम कर सकती है। ऑक्सीजन घटने पर दम घुटने और बेहोशी का खतरा बढ़ जाता है। अगर गैस चिंगारी संपर्क में आए तो आग लग सकती है या विस्फोट हो सकता है।

MP-राजस्थान में मानसून फिर एक्टिव

हिमाचल में अब तक 66 लोगों की मौत

गुवाहाटी में लैंडस्लाइड, असम में 1.7 लाख लोग प्रभावित

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से मंगलवार को जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। राज्य में अब तक 66 लोगों की मौत हो चुकी है। 145 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने कांगड़ा, चंबा और सिरमौर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

सोमवार को भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। एमपी के लगभग 90% हिस्से में अगले 4 दिन यानी 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। राजस्थान में दो हफ्ते बाद मानसून एक बार फिर एक्टिव होने से जयपुर समेत 33 जिलों में बारिश का अलर्ट है। सेना ने असम के बाढ़ प्रभावित गांवों में फंसे 571 लोगों को बचाया। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ने से बड़े इलाके

में पानी घुस आया है। राजौरी और पुंछ में बारिश के कारण हुई मौतों के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। जम्मू-कश्मीर में बारिश से संबंधित घटनाओं में अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भारी बारिश के कारण पुराने सांबा-कठुआ रोड का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे वहां ट्रैफिक रुक गया। असम के सिबसागर जिले में दारिका नदी के बाढ़ के पानी कई इलाकों तक पहुंच गया है। सड़कें पानी में डूब गई हैं और निचले इलाकों में

दो-दो फीट तक पानी भर गया है। राजस्थान के सीकर में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया। दुकाओं में भी पानी घुस गया, जबकि रेलवे ट्रैक और बाजार पानी में डूब गए। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर अमरनाथ यात्रा तीसरे दिन भी स्थगित रही। मध्य प्रदेश में मंगलवार को मुरैना, भिंड, दमोह और कटनी में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल और सीहोर में रात भर से हल्की, लेकिन लगातार बारिश हो रही है। रायसेन, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, बड़वानी, खंडवा और खरगोन में भी बारिश का अनुमान है।

वर्षों पुरानी मांग पूरी : कर्णावती एक्सप्रेस का नवसारी में ठहराव, बोरीवली-वलसाड मेमू अब सूरत तक चलेगी

नवसारी के सांसद एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल के प्रयास रंग लिए

»यूरो रिपोर्ट - जे. बी. टांक, एनकरा सूरत

नवसारी जिले के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्थानीय नागरिकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की वर्षों पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए रेलवे बोर्ड ने 12933/12934 कर्णावती एक्सप्रेस को नवसारी रेलवे स्टेशन पर ठहराव देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके साथ ही वलसाड-बोरीवली मेमू (69139) ट्रेन का विस्तार सूरत तक करने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिससे प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। हाल ही में नवसारी के सांसद एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष श्री भूराभाई शाह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इन मांगों को विस्तार से प्रस्तुत किया था। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल के निरंतर और प्रभावी प्रयासों के परिणामस्वरूप रेल मंत्रालय ने इन मांगों को स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत एक्सप्रेस, सौराष्ट्र मेल सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के नवसारी में ठहराव को



लेकर भी शीघ्र सकारात्मक निर्णय आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री भूराभाई शाह ने नवसारी जिले की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जापान में दूर के रिश्तेदारों को गोद लेंगे सम्राट

सिंहासन के सिर्फ 3 उत्तराधिकारी बचे तो बदला नियम

»टोक्यो

जापान की संसद ने 17 जुलाई को शाही परिवार के उत्तराधिकार से जुड़े कानून में बड़ा बदलाव किया। नए कानून के तहत अब शाही परिवार 15 साल या उससे अधिक उम्र के दूर के पुरुष रिश्तेदारों को गोद लेकर दोबारा शाही परिवार में शामिल कर सकेगा। इसके अलावा, अब शाही परिवार की महिलाएं किसी आम नागरिक से शादी करने के बाद भी अपना शाही दर्जा और आधिकारिक जिम्मेदारियां नहीं खोएंगीं। हालांकि, सबसे अहम नियम नहीं बदला गया। जापान में अब भी सिर्फ पुरुष ही सम्राट बन सकते हैं। यानी सम्राट नारहितो की इकलौती बेटी राजकुमारी आइको भविष्य में भी सिंहासन की उत्तराधिकारी नहीं बन सकेंगी। जापान का शाही परिवार दुनिया का सबसे पुराना लगातार चला आ रहा राजवंश माना जाता है, लेकिन आज वह उत्तराधिकार के गंभीर संकट से जूझ रहा है। मौजूदा सम्राट की सिर्फ एक बेटी है। वह उत्तराधिकारी नहीं बन सकती, क्योंकि कानून सिर्फ पुरुषों को ही सिंहासन का अधिकार देता है। शाही परिवार में सिंहासन के सिर्फ 3 उत्तराधिकारी हैं। उत्तराधिकार की कतार में पहले नंबर पर सम्राट के छोटे भाई प्रिंस फुमिहितो, दूसरे नंबर

पर उनके 19 वर्षीय बेटे प्रिंस हिसाहितो और तीसरे नंबर पर 90 वर्षीय प्रिंस हिताची हैं। जापान में महिला को सम्राट बनाने का मुद्दा कई वर्षों से चर्चा में है। जनमत सर्वेक्षणों में अधिकांश जापानी नागरिक महिला सम्राट के पक्ष में रहे हैं। 2024 में ब्योडो न्यूज के सर्वे में 90% जापानी नागरिकों ने महिला सम्राट का समर्थन किया था। लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) के परंपरावादी नेता इसका विरोध करते रहे हैं। इन नेताओं का तर्क है कि जापान का शाही परिवार करीब 2,000 वर्षों से पुरुष वंश के आधार पर चला आ रहा है। उनके अनुसार, अगर किसी महिला को सम्राट बनाया गया और उसके बच्चे भविष्य में सिंहासन पर बैठे, तो शाही परिवार की पितृवंश परंपरा टूट जाएगी। उनका मानना है कि यही परंपरा जापान की राजशाही की पहचान है और इसे नहीं बदला जाना चाहिए। साल 1947 में, दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिकी कब्जे वाली प्रशासनिक व्यवस्था और जापानी सरकार ने शाही परिवार का आकार छोटा करने का फैसला किया। इसके तहत इन 11 शाखाओं के 51 सदस्यों से शाही दर्जा वापस ले लिया गया। वे आम नागरिक बन गए और उनके परिवारों का शाही परिवार से कानूनी रिश्ता खत्म हो गया।

अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

कहा- सुरक्षा को देखते हुए देर से जानकारी दी; ईरान के 9 शहरों पर अमेरिकी हमले

»तेल अव्यीज/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पावेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को सिर पर हल्की चोट लगी थी। पावेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पावेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने

मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए। ईरान की लेबर न्यूज एजेंसी के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेहह, बुशेहर, चाबहार, केरम द्वीप, सीरक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया। ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने पाकिस्तान दौरे के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। सरकारी ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस्लामाबाद पहुंचने के बाद यह उनकी दूसरी अहम बैठक थी। इससे पहले मोमेनी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से भी मुलाकात की थी। इसके अलावा उनकी पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहरिसिन रजा नकवी का भी बैठक तय थी। मोमेनी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच हुए MoU को फिर से पटरी पर लाने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर रहा है। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने शिर्गांव कंपनियों को चेतावनी दी है कि सऊदी

अरब के बंदरगाहों पर माल लाने या उतारने वाले जहाज उनके निशाने पर आ सकते हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, यह चेतावनी हूतियों के ह्यूमैनिटेरियन ऑपरेशंस कोऑर्डिनेशन सेंटर की ओर से कई शिपिंग कंपनियों को ईमेल के जरिए भेजी गई। ईमेल में कहा गया है कि ऐसी गतिविधि करने वाले जहाजों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और वे यमनी सशस्त्र बलों की पहुंच वाले किसी भी क्षेत्र में हमले का लक्ष्य बन सकते हैं CNN के एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का ईरान के खिलाफ शुरू किया गया सैन्य अभियान अब अमेरिका के सबसे अलोकप्रिय युद्धों में गिना जाने लगा है। कई सर्वे बताते हैं कि इस युद्ध को लेकर लोगों का समर्थन इराक, अफगानिस्तान और वियतनाम युद्ध की तुलना में ज्यादा तेजी से घटा है। वॉशिंगटन पोस्ट-इन्फोस के सर्वे में 68% अमेरिकियों ने कहा कि ईरान के खिलाफ यह युद्ध लड़ना जरूरी नहीं था।

संवादकीय

और सुगम होगी छोटे उद्यमों की राह

सरकार संसद के इसी सत्र में 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक 2026' लाने जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के एमएसएमई के लिए बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप नीतियों और नियमों को कारगर बनाना है। इसके साथ ही कारोबारी सुगमता को बढ़ाना, लंबित भुगतानों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करना और एमएसएमई क्षेत्र के लिए मध्यस्थता के फैसलों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। राज्य अधिक से अधिक 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद' (एमएसईएफसी) गठित कर सके, इसके लिए विधेयक में अनुकूल प्रविधान किए गए हैं।

देश के आर्थिक ढांचे में एमएसएमई का योगदान महत्वपूर्ण है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक देश में पंजीकृत एमएसएमई की संख्या 7.86 करोड़ से अधिक है। ये उद्योग देश के दूर-दराज के कस्बों और छोटे शहरों में फैले हुए हैं, जिससे देश का संतुलित क्षेत्रीय विकास संभव हो पा रहा है। कृषि के बाद यह क्षेत्र भारत में आजीविका का दूसरा सबसे बड़ा आधार है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में, जहां हर साल लाखों नए युवा रोजगार की तलाश करते हैं, वहां बड़े उद्योगों की तुलना में ये छोटे उद्योग बहुत कम पूंजी में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने की क्षमता रखते हैं।

इस क्षेत्र के माध्यम से देश में लगभग 32.82 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इन उद्योगों की हिस्सेदारी लगभग 31.1 प्रतिशत है। इसका सीधा अर्थ यह है कि देश की कुल कमाई का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इन छोटे कारखानों, दुकानों और स्थानीय निर्माण इकाइयों से आता है। कुल विनिर्माण में इन उद्योगों की भागीदारी करीब 35.4 प्रतिशत तो नियत में योगदान लगभग 48.58 प्रतिशत है। हमारे हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़े के सामान और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुएं इन्हीं उद्योगों के जरिये दुनिया भर में जा रही हैं।

देश के विकास में अभूतपूर्व योगदान होने के बावजूद इन छोटे उद्योगों को चलाने वाले उद्यमियों को कई कठिन परिस्थितियों से जुझना पड़ता है। इनमें कार्यशील पूंजी और कोष की किल्लत प्रमुख है। छोटे उद्यमियों के पास सीमित परिसंपत्तियां होती हैं। बैंकों से ऋण लेते समय उन्हें लंबी और जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे समय पर पूंजी न मिलने के कारण कई बार उद्योग बंद होने की कगार पर पहुंच जाते हैं। फंसा हुआ पैसा और भुगतान में देरी भी इस क्षेत्र की गंभीर समस्या है। जब छोटे उद्योग बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों को माल की आपूर्ति करते हैं तो उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता।

नकदी के अभाव में वे न तो कच्चा माल खरीद पाते हैं और न ही कर्मचारियों को वेतन दे पाते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में एमएसएमई जटिल कानूनी अड़चनों और मुकदमों के डर का सामना करते हैं। अनजाने में बहीखाते, कर दाखिल करने या किसी प्रशासनिक नियम के पालन में छोटी-मोटी चूक होने पर भी उद्यमियों को कानूनी कार्रवाई का डर सताता रहता है, जिससे वे खुलकर काम नहीं कर पाते। एमएसएमई के समक्ष आधुनिक तकनीक और बाजार की प्रतिस्पर्धा भी एक बड़ी समस्या है।

वर्तमान दौर कंप्यूटर, आटोमेशन और एआइ का है। बड़ी कंपनियों के पास इन तकनीकों के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रविधान होता है, जबकि छोटा उद्यमी महंगी तकनीक अपनाने में असमर्थ रहता है। इससे उनकी उत्पादन लागत बढ़ जाती है और वे बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। इन सभी चुनौतियों के मद्देनजर 'एमएसएमई विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' एक दूरगामी कदम है। पुराने नियमों में एमएसएमई की परिभाषा संकुचित थी। कारोबार या निवेश बढ़ते ही उद्योग इस श्रेणी से बाहर हो जाते थे और सरकारी लाभ बंद हो जाते थे।

नए संशोधन में निवेश और कारोबार की सीमाओं को क्रमशः 2.5 गुना और दोगुना तक बढ़ा दिया गया है। इससे उद्यमी बिना किसी डर के अपने व्यापार का विस्तार कर सकेंगे। भुगतान में देरी से निपटने के लिए एक आधिकारिक आनलाइन विवाद निवारण प्रणाली और डिजिटल मध्यस्थता तंत्र को कानूनी ढांचा दिया जा रहा है। अब अदालतों के चक्कर काटे बिना डिजिटल माध्यम से तय समयसीमा के भीतर मामलों का निपटारा कर व्यापारियों को फंसा हुआ धन वापस दिलाया जाएगा। किसी विवरण को दाखिल करने में देरी या कागजी रिकार्ड में मामूली विसंगतियों जैसी मानवीय भूलों को भी अब आपराधिक मुकदमों की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है, जिससे कारोबारी सुगमता को वास्तविक बल मिलेगा। 'उद्यम आंकड़े' को केंद्रीय बैंकिंग प्रणालियों से जोड़ा जा रहा है। इससे बैंकों के लिए ग्राहक पहचान प्रक्रिया (केवाईसी) और आंकड़ों की सत्यता जांचना आसान हो जाएगा, जिससे कार्यशील पूंजी ऋण कुछ ही घंटों में स्वीकृत हो सकेंगे।

सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी कवर की सीमा को पांच करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। 10 करोड़ रुपये तक के ऋण की गारंटी स्वयं सरकार देगी, जिससे बैंक बिना झिझक उद्यमियों को ऋण दे सकेंगे। निश्चित रूप से जब एमएसएमई को त्वरित ऋण मिलेगा, इन्स्पेक्टर राज से मुक्ति मिलेगी और तकनीकी रूप से वे सक्षम बनेंगे तो भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को एक अभूतपूर्व शक्ति मिलेगी।

रास्ता भटक गई नाबालिग किशोरी को अभयम हेल्पलाइन ने परिवार से मिलाया

»खुरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत



सूरत, मंगलवार: कातारगाम क्षेत्र में रास्ता भटक गई 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी को अभयम 181 महिला हेल्पलाइन की टीम ने सुरक्षित उसके परिवार के सुपुर्द किया। एक जागरूक नागरिक द्वारा 181 महिला हेल्पलाइन पर सूचना दिए जाने के बाद कातारगाम रेस्क्यू वैन की टीम मौके पर पहुंची और किशोरी को अपनी सुरक्षा में लेकर उसके परिवार से मिलवाया।

काउंसिलिंग के दौरान अभयम टीम को पता चला कि बिहार की रहने वाली यह किशोरी पिछले एक महीने से सूरत में अपने बड़े पिता (ताऊ) के साथ रह रही थी तथा अपनी बहन के साथ हीरा उद्योग में काम पर जाती थी। घटना रास्ता भटक गई। उसके पास न तो मोबाइल फोन था और न ही किसी परिजन का संपर्क नंबर,

था और न ही किसी परिजन का संपर्क नंबर,

श्री गुर्जर क्षत्रिय कड़िया समाज, वराछा रोड, सूरत द्वारा "तेजस्वी तारों" का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

»खुरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत



सूरत: श्री गुर्जर क्षत्रिय कड़िया समाज, वराछा रोड, सूरत द्वारा समाज के मेधावी विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभाशाली युवा "तेजस्वी तारों" सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि, अग्रणीजन तथा बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह में गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री एवं वराछा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री कुमारभाई कानाणी मुख्य अतिथि के



रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ पूर्व टीपी चेयरमैन श्री बाबूभाई जीरावाला, समाज के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कांतिभाई गांगाणी, समाज के अध्यक्ष श्री राजुभाई परमार, विभिन्न विभागों के अध्यक्षगण, समाज के ट्रस्टी, अग्रणीजन तथा पार्षदगण की गरिमायी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।



इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अतिथियों ने कहा कि शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों की मेहनत, माता-पिता का मार्गदर्शन और शिक्षकों के संस्कार से समाज का भविष्य उज्ज्वल बनता है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा की भावना



के साथ निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने समाज द्वारा शिक्षा, सामाजिक उत्थान और सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सार्वजनिक सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का एक सराहनीय प्रयास है।

किया गया। साथ ही उपस्थित पार्षदों का भी समाज की ओर से विशेष सम्मान किया गया।

इस सम्मान समारोह में समाज के बड़ी संख्या में सदस्य, वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा, विद्यार्थी एवं अभिभावक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरा कार्यक्रम हर्षोल्लास, गौरव और सामाजिक एकता के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने तथा समाज में शिक्षा के महत्व को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा।

..... दुनिया में दक्षिण थाईलैंड की सबसे बड़ी नदी का नाम भी 'तापी' है।

ऐतिहासिक, पौराणिक और भौगोलिक विशेषताओं से समृद्ध तथा अरब सागर में मिलने वाली पवित्र 'लोकमाता सूर्यपुत्री तापी मैया'

विश्वभर में तापी नदी ही एकमात्र ऐसी नदी है, जिसका प्राकट्य दिवस श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ विशेष रूप से मनाया जाता है।

»खुरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत



हर वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल सप्तमी के दिन तापी अवतरण दिवस (तापी जयंती) श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सूर्यदेव की आंखों से गिरे अश्रु-बिंदु से सूर्यपुत्री मां तापी का प्राकट्य हुआ था। विश्वभर में तापी नदी ही एकमात्र ऐसी नदी है, जिसके प्राकट्य दिवस को विशेष रूप से याद कर सूरत तथा उसके आसपास के तटीय क्षेत्रों में बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

मां तापी इतनी पवित्र मानी जाती हैं कि शास्त्रों में कहा गया है— "गंगा में स्नान करने से, यमुना का आचमन करने से, नर्मदा के दर्शन करने से और सूर्यपुत्री तापी के केवल स्मरण मात्र से ही पुण्य की प्राप्ति होती है।" पुराणों के अनुसार 'तापी' शब्द सूर्यपुत्री 'ताप्ती' से बना है। तापी पुराण में उनकी महिमा तथा उनके तट पर स्थित पौराणिक मंदिरों का विस्तृत वर्णन मिलता है।

ईस्वी सन् 1604 में गोकर्ण ने



होकर यहां का पवित्र जल अपने साथ थाईलैंड ले गए तथा वहां की नदी में अर्पित किया। इसके बाद उस नदी का नाम 'तापी' रखा गया तथा उसके किनारे बसे शहर का नाम 'सूरत थानी' रखा गया।

तापी नदी का उद्गम मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की महादेव पहाड़ियों में स्थित बैतूल सरोवर (सतपुड़ा पर्वतमाला) से होता है। इसकी कुल लंबाई 752 किलोमीटर है, जिसमें गुजरात में इसकी लंबाई 224 किलोमीटर है। यह महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र से होकर तापी जिले के निजर तालुका के व्याल गांव के पास हरणफाल नामक स्थान से गुजरात में प्रवेश करती है।



तापी नदी पर महाराष्ट्र के भुसावल के निकट हाथनूर बांध तथा प्रकाशा बैराज बने हुए हैं, जबकि गुजरात में उकाई बांध और काकरापार बांध स्थित हैं। वर्ष 1972 में पूर्ण हुई उकाई बहुउद्देशीय परियोजना से बने जलाशय को वल्लभसागर सरोवर कहा जाता है। वहीं, मंडवी तालुका के काकरापार में वर्ष 1954 में काकरापार सिंचाई योजना पूरी हुई थी। तापी नदी डेल्टा का निर्माण नहीं करती, बल्कि एस्ट्यूरी (ज्वारीय मुहाना) बनाती है, जिसका मुहाना खंबात की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है।

लोकमाता तापी नदी : दक्षिण गुजरात की जीवनरेखा और आस्था का आधार



तापी नदी दक्षिण गुजरात की सबसे लंबी तथा बारहमासी नदी है। गुजरात में इसकी लंबाई नर्मदा नदी से अधिक है, जबकि जल प्रवाह की दृष्टि से यह नर्मदा के बाद दूसरे स्थान पर आती है। तापी नदी का जलग्रहण क्षेत्र मध्यप्रदेश में लगभग 15 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 79 प्रतिशत तथा गुजरात में 6 प्रतिशत है।

तापी नदी के मुहाने के समीप डुमस के पास किडियाबेट स्थित है, जहां प्रसिद्ध लकड़ा गणेश मंदिर है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में आमली, भारुड, देव-चांदनी, वाधुर, गिरवा, बोरी, अनेर, पूर्णा, पांजरा, अमरावती, वांकी, गोमाई, बुराई, शिवा, वरेली और नेसू शामिल हैं।

तापी नदी के किनारे सूरत, कामरेज, निजर, उच्छल, सोंगढ़ और मंडवी जैसे नगर बसे हुए हैं। सूरत से लगभग 24 किलोमीटर पूर्व दिशा में तापी तट पर बोधान नामक धार्मिक स्थल स्थित है, जहां प्रत्येक 12 वर्ष में विशाल मेला आयोजित होता है।

सूर्यपुत्री मां तापी के प्राकट्य दिवस पर सूरत सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालु, संत-महात्मा और भक्तजन तापी मैया की पूजा-अर्चना कर उन्हें चुनरी अर्पित करते हैं। जहांगीपुरा स्थित कुरुक्षेत्र में प्रातःकाल तथा डक्का ओवारा पर सायंकाल लगभग 1100 मीटर लंबी चुनरी जल में अर्पित कर मां तापी का स्मरण किया जाता है।

तापी नदी केवल एक नदी नहीं, बल्कि दक्षिण गुजरात की संस्कृति, आस्था, इतिहास और जीवन का संपन्न है। यही कारण है कि लोकमाता सूर्यपुत्री तापी आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं के हृदय में अमिट श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक बनी हुई है।

सूरत में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य करमसिंह कर्मा की अध्यक्षता में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर समीक्षा बैठक आयोजित

सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षा और समग्र कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : करमसिंह कर्मा

»खुरो रिपोर्ट :- जे. बी. टांक, पत्रकार, सूरत



सूरत, मंगलवार: राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) के सदस्य श्री करमसिंह कर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभागार में सफाई कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों तथा शहरी सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान श्री कर्मा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा मैनुअल स्कैवेंजर (हाथ से मैला ढोने) संबंधी कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इनका सख्ती से पालन किया

जाना आवश्यक है। उन्होंने सफाई कर्मचारी संगठनों की समस्याओं और कर्मचारियों की व्यक्तिगत शिकायतों को गंभीरता से सुना। संगठनों द्वारा कार्य के घंटे, वेतन एवं भत्ते, बोनस, चिकित्सा सहायता, ठेका प्रणाली, कार्यस्थल पर सुरक्षा उपकरण एवं सुरक्षा पोशाक जैसी विभिन्न मांगें प्रस्तुत की गईं। इस



पर श्री कर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा और समग्र कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की



लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री कर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने देशभर के सफाई कर्मचारियों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान तथा उनके कल्याण के लिए

कार्यरत राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की भूमिका की भी जानकारी दी।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्रत्येक सफाई कर्मचारी तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए।

इसके बाद श्री कर्मा ने वराछा के खांडबाजार स्थित रतबा ज्वेलर्स में टंकी की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें संतुलना दी। उन्होंने फैक्ट्री मालिक से मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा देने, पुलिस विभाग को मामले की गहन जांच करने तथा

दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर श्री तेजस परमार ने प्रशासन एवं सूरत महानगरपालिका के संबंधित अधिकारियों को आयोग के सदस्य द्वारा दिए गए निर्देशों का त्वरित पालन करने के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस आयुक्त श्री वावांग जमीर, जिला विकास अधिकारी श्री देवेंद्र मीणा, डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर श्रीमती निधि सिवाच, जिला समाज सुरक्षा अधिकारी, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग-सूरत के उपनिदेशक, उप श्रम आयुक्त सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नई सिविल अस्पताल एवं सूडा भवन में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य

करमसिंह कर्मा की अध्यक्षता में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर समीक्षा बैठक आयोजित

सफाई कर्मचारियों का कल्याण, सम्मान और सुरक्षित कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक संस्था की भी सामूहिक जिम्मेदारी है

कर्मा ने सफाई कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सभी सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शून्य मैनुअल स्कैवेंजिंग (Zero Manual Scavenging) और यांत्रिक सफाई प्रणाली (Mechanized Cleaning) को तेजी से अपनाने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का कल्याण, सम्मान और सुरक्षित कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक संस्था की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में सूरत के क्षेत्रीय नगरपालिका आयुक्त श्री एस. डी. वसावा, नई सिविल अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पारुल वडगाणा, मेडिकल कॉलेज के डीन, सूडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), जिला समाज सुरक्षा अधिकारी, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग-सूरत के उपनिदेशक, उप श्रम आयुक्त, विभिन्न नगरपालिकाओं के मुख्य अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।



यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना



नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनो से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइनर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइनर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइनर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइनर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।



संग्रामसिंहनेदेशको समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फंस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं। संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला- फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेलथ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पॉचिंग काफी अच्छी थी। उसने पॉचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खुबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकर होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकर होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।



आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

दूट गए लियोन मेसी

- स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांडस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरे गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली

टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का

गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी-बासीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएएस का रुख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जाएंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।



एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबासी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।



स्पेन बना विश्व विजेता



नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बाक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत



नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पेनिश सबस्टीट्यूट के पेट में धूँसा मारा।

ढांडस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांडस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बासिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।



उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा रीएक्शन पर बनाया जाता है। हमें असली रिपेक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिपेक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूँ तो हमें असली रिपेक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, वयोंकि तभी सबसे असली रिपेक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस प्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिटेड तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, वयोंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक़्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूँ तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैस ने काफी पसंद किया।

कलाकारों को अपना समर्थन देने वहाँ पहुँचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए क्यूबा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, जो लेकर क्यूबा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बेकरपेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उठने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एंफॉटिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहाँ कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

क्यूबा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद क्यूबा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकी क्यूबा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों पर अग्रसर है।

सोच से आगे बढ़ता रहना ही



बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अन्य देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मी वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, 'मेरे लिए 'मी वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है।' फिल्म में वेदांग रना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनसे साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और अपने कितने कलाकारों हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्मों में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।



अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘धमाल 4’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टरों को अवसर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं ‘बेल बॉटम’ में सिर्फ इसलिये थीं ताकि एक टेरेस्ट्रिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे एंर रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूँ। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। ये वह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूँ या नहीं। ये बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उढ़ाया।

A portrait of a middle-aged man with dark, curly hair and a prominent mustache. He is smiling slightly and looking towards the camera. He is wearing a light blue button-down shirt. The background is a plain, light-colored wall.

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजु' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड़ों' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू को उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था। वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाक्या याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये वक्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थीं। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तूम्हें करना है तो

पहले एविटिंग सीखो।' हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल इलामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर जायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कारस्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूँ, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बारीकरी भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूँढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कौमोड़ी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप उनसे फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कौमोड़ी कर सकते हैं।’

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी स्वागत हुआ है। वया वीर को लॉन्च करने वक्त राहुल हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'खयाल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका चुनाव भी तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं एक समान्य पिता जी कुछ और करके थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में

